


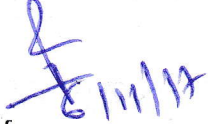
न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)

आदेश पत्रक

मेगत मुण्डू

बनाम

सोमरा वोर मल्ली

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	<p>अभिलेख सं०-एम. 146 / 2017 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रभारी बुण्डू के अप्राथमिकी सं०-38/17 दिनांक-12-10-17 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि बुण्डू चाना कांड सं० 48/17 दिनांक 28/8/17 धारा 324 ग० दण्डि० की लोक समय पत्र में तनाव है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं पायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि 24-11-17 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संशोधित</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; margin-top: 20px;"> <div style="text-align: center;">  कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। </div> <div style="text-align: center;">  कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू। </div> </div>	
<p>24-11-17</p>	<p>जीवासीन पदाधिकारी द्वारा कार्य में अस्ता दिनांक 29-12-17 को रखे</p>	
<p>08-12-17</p>		

आदेश की क्रम एवं तारीख	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई एवं टिप्पणी तारीख सहित
14-10-19	<p>आमिनीरा उपस्थापित । समय पत्र लगाता अनुपरीक्षित । समय पत्र चलाने दारिगाल की दिनांक 08-11-19 को शुरू ।</p> <p style="text-align: right;">14/10/19</p>	
08-11-19	<p>आमिनीरा उपस्थापित । समय पत्र अनुपरीक्षित । समय पत्र चलाने दारिगाल की दिनांक 25-11-19 को शुरू ।</p>	
25-11-19	<p>आमिनीरा समय पत्र अनुपरीक्षित । कार्षपालक दण्डा निवाचन कार्य के अस्त दिनांक 09-12-19 को शुरू ।</p>	
09-12-19	<p>आमिनीरा उपस्थापित । समय पत्र अनुपरीक्षित । उक्त वाद के 6 (छः) मार की आवधि पूरी हो चुकी है अर्थात् वाद कालबाधित है जहां है अतः वाद में आमिनीरा की कारवाही बन्द की जाती है ।</p> <p style="text-align: center;">9/12/2019</p> <p>कार्षपालक दण्डाधिकारी</p> <p style="text-align: right;">कार्षपालक दण्डाधिकारी</p>	